



Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 42-2024] CHANDIGARH, TUESDAY, OCTOBER 15, 2024 (ASVINA 23, 1946 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 11 अक्तूबर, 2024

संख्या 12/39-2024/पुरा/वॉल्यूम-11/3481-88.— हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (3) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, अधिसूचना संख्या 12/39-2024/पुरा/वॉल्यूम-11/1944-50, दिनांक 7 जून, 2024 के प्रतिनिर्देश से, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करते हैं:—

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/शहर का नाम	तहसील/जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल-मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
बावड़ी बादशाहपुर 20वीं शताब्दी पूर्व	बावड़ी बादशाहपुर 20वीं शताब्दी पूर्व	बादशाहपुर	गुरुग्राम	खेवट संख्या 26 खसरा संख्या 105	8-1 8-(गैर मु.)	शिक्षा विभाग हरियाणा	बादशाहपुर में बावड़ी राजमार्ग 13 पर स्थित है और एक स्कूल के पीछे स्थित है। इसका निर्माण 1905 में किया गया था और अभी भी बहुत अच्छी स्थिति में है। बावड़ी संरचना में एक आयताकार टैंक शामिल है जो चौड़ी सीढ़ियों की एक श्रृंखला द्वारा पहुंच योग्य है। टैंक को इसकी चौड़ाई तक फैली मेहराबदार कई अलग-अलग टैंकों/स्थानों में विभाजित किया गया है। संरचना का निर्माण ईंटों और प्लास्टर से किया गया है। टैंक की एक तरफ की दीवार साथ लगते स्कूल द्वारा सांझा की जाती है। वस्तुकला की दृष्टि से बावड़ी हरियाणा की जल संचयन संरचनाओं का एक अच्छा उदाहरण है।

कला रामचंद्रन,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

HARYANA GOVERNMENT
HERITAGE AND TOURISM DEPARTMENT

Notification

The 11th October, 2024

No. 12/39-2024/pura/Vol.II/3481-88.— In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), and with reference to Haryana Government Heritage and Tourism Department, notification no. 12/39-2024/Pura/Vol.II/1944-50, dated the 7th June, 2024, The Government of Haryana hereby declares the ancient and historical monuments specified in column 1 of Schedule given below to be a protected monuments archaeological sites and remains as specified in columns 2,3,4,5,6 and 7 of the said Schedule to be a protected area:-

SCHEDULE

Name of ancient and historical monuments	Name of archaeological sites and remains	Name of village/ city	Name of tehsil / district	Revenue Khasra/ Kila number under protection.	Area to be protected Kanal-Marla	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Baoli at Badshahpur 20th Centurey CE	Baoli at Badshahpur 20th Centurey CE	Badshahpur	Gurugram	Khevat No.26 Khasra No. 105	8-1 (Gar. Mumkin)	Education Department, Haryana	The Baoli at Badshahpur is located off the Highway 13 and is hidden behind a school. It was constructed in 1905 and is still in a very intact condition. The Baoli structure consists of a rectangular tank accessible by a series of broad steps. The tank is divide into a number of different tanks/spaces by a series of arched walls, spanning the width of the tank. The structure is constructed of brick and plastered. One of the side walls of the tank is shared by the adjoining school. Architecturally the Baoli is a good example of Haryana's water harvesting structures.

KALA RAMACHANDRAN,
Principal Secretary to Government, Haryana,
Heritage and Tourism Department.